Intervention by Commercials during Telecasts of Solar-Eclipse

1461. SHRii RAJUBHAI A PARMAR:
SHRI SHUSH1LKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the. Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the r.sther irrational intervention by Commercials during the telecasts of Solar eclipse on October 24, 1995 and related programmes; consuming the precious seconds when viewers wete expecting views of full-eclipse ring and the Diamond ring etc; and

(b) the reasons for bringing up commercials at the peak-moments of the eclipse adding to the viewers' anxiety, little short of disappointment, so much so that the programme manager had to comment adversely on the interrruption caused by the commercials?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI P.M. SAYEED): (a) and (b)The commercials shown by Doordarshan did not interfere with the actual coverage of the different stages of the solar eclipse including the full eclipse and the diamond ring formation.

आकाशपाणी द्वारा प्रसारित और दूरदर्शन पर दिखाये गये कार्यक्रमो में चूक

1462. **श्री जनेश्वर मिश्र** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 5 नवम्बर, 1995 को दिल्ली से प्रकाशित "राष्ट्रीय सहारा" में प्रकाशित इस समाचार की ओर दिलाया गया हैं, जिसमे आकाशवाणी, इलाहाबाद द्वारा 30 अक्तूबर को सांय 7.30 बजे प्रसारित बच्चों के लिए कार्यक्रम "सुनो कहानी" में स्व. श्री फिरोजगांधी को स्व. श्रीमती इन्दिरा गांधी का पिता बताया गया था;

(ख) क्या यह भी सच हैं कि दूरदर्शन के समाचार प्रभाग द्वारा 6 नवम्बर, 1995 को प्रांत सात बजे प्रसारित होने वाली बुलेटिन में डा. अम्बेडकर की पुण्यतिथि होने का समाचार प्रसारित हुआ था;

(ग) यदि हां, तो उक्त घटनाओं की जांच करने के लिए और उनकी पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या-क्या कदम उठाये गये हैं; और

(घ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी.एम.सईद) : (क) और (ख) जी, हां।

(ग) और (घ) आकाशवाणी और दूरदर्शन से सदाशयी त्रुटियों के कारण हुई इन घटनाओं के प्रति खेद प्रकट कर दिया हैं। तथापि, संबंधित अधिकारियों को भविष्य में ऐसे मामलों में अत्यधिक सावधानी बरतने के लिए कह दिया गया हैं।

विद्युत उत्पादन का लक्ष्य

1463. **श्रीमती सुषमा स्वराज** :

श्री राम जेठमलानी :

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) क्या आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिए बिजली उत्पादन की अतिरिक्त क्षमता का मूल निर्धारित लक्ष्य प्राप्त न हो पाने के कारण योजना में उत्पादन क्षमता का लक्ष्य नये सिरे से 20,729.7 मेगावाट तय किया गया था;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं;

(ग) क्या वर्ष 1995-96 में अतिरिक्त बिजली उत्पादन क्षमता पैदा करने के लिए वार्षिक लक्ष्य 2161.55 मेगावाट तय किया गया था;

(घ) यदि हां, तो अतिरिक्त क्षमता प्राप्त करने के कितनी धनराशि का आवंटन किया गया था और क्या चालू वर्ष के पहले छः महीने के दौरान निर्धारित लक्ष्य का केवल 2 प्रतिशत प्राप्त किया गया था; और

(ड.) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल) : (क) और (ख) आठवीं पचवर्षीय योजना के लिए निर्धारित किया गया क्षमता अभिवृद्वि का लक्ष्य 30537.7 मे.वा. हैं। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (के.वि.प्रा.) के नवीनतम मूल्यांकन के अनुसार आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान 20729.7 में.वा. विद्युत उत्पादन क्षमता जोड़े जाने की सम्भावना हैं।

(ग) जी, हां।